POLITICAL SCIENCE
B.A. Part - I

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College
Tajpur, Samastipur

महात्मा गाँधी

महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 ई. को पोरबंदर में हुआ था जो गुजरात में अवस्थित है। उनके पिता का नाम करमचंद गाँधी था जो दीवान थे। उनकी माता नाम पुतलीबाई था जो वैष्णव हिन्दू परिवार से थीं। वह एक धार्मिक महिला थीं। गाँधीजी अपनी माता से बहुत प्रभावित थे। गाँधीजी ने स्थानीय स्कूल, राजकोट में ही बचपन की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने राजकोट में ही हाई स्कूल में भी पढ़ाई की।

गाँधीजी का विवाह 13 वर्ष की उम्र में कस्तूरबा गाँधी से हुआ। गाँधीजी ने लंदन से बैरिस्टर की पढ़ाई की। वह 1893 में एक व्यापारी के मुकदमे की पैरवी के लिए दक्षिण अफ्रीका गए। गाँधीजी 21 सालों तक दक्षिण अफ्रीका में रहे और वहीं पर पहली बार सत्याग्रह का प्रयोग किया। 1915 में वह भारत लौटे। के खिलाफ चल रहे भारतीय ब्रिटिश शासन

स्वतंत्रता आंदोलन ने इस समय एक निर्णायक मोड़ लिया। इसका सबसे प्रमुख कारण था- भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर महात्मा गाँधी का अभ्युदय। राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गाँधी के प्रवेश के बाद इसके जनाधार एवं लोकप्रियता में अपार वृद्धि हुई तथा यह सम्पूर्ण भारतीय जनमानस का आंदोलन बन गया।

गाँधीजी द्वारा किए गए आंदोलनों को हम निम्नलिखित रूप में समझ सकते हैं:-

दक्षिण अफ्रीका में किया गया आंदोलन :-

गाँधी जी जब दक्षिण अफ्रीका गए तो उन्होंने देखा कि जो एशियाई मजदूर मजदूरी करने दक्षिण अफ्रीका गए थे वे किस प्रकार प्रजातीय उत्पीड़न एवं भेदभाव के शिकार थे। वहां उन्होंने गोरों द्वारा काले लोगों से रंगभेद की नीति के विरुद्ध विरोध प्रकट किया। दक्षिण अफ्रीका में रह रहे भारतीय मुख्यतः अशिक्षित थे तथा उन्हें अंग्रेजी का अल्पज्ञान या बिल्कुल ज्ञान नहीं था। ये सभी दक्षिण अफ्रीका में प्रजातीय भेदभाव के शिकार थे। वहाँ की गोरी सरकार इन भारतीयों पर अनेक जुल्म ढाती थी।

-Husna Ara
Department of Political Science
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur, Samastipur

Scanned with CamScanner